लेबर की कमी से मुजफ्फरनगर में गुड़ इंडस्ट्री का मन खट्टा

[दीपशिखा सिकरवार | नई दिल्ली]

उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर के आसपास गन्ने की कटाई सुस्त पड़ गई है। कुछ समय पहले यहां दंगे हुए थे। इस वजह से गन्ना काटने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं। इस शहर का सबसे बड़ा बिजनेस गुड़ मैन्युफैक्चरिंग है। पहले माना जा रहा था कि इसकी कीमत में काफी कमी आएगी, लेकिन अभी यह पिछले साल के बराबर चल रही है। गुड़ के उलट यहां शुगर प्रॉडक्शन तेजी से हो रहा है, लेकिन अभी तक चीनी के दाम में बड़ी गिरावट नहीं आई है।

शामली इलाके के एक गुड़ ट्रेडर ने बताया कि इस सीजन में गन्ने की कटाई के लिए काफी मजदूरों की जरूरत पड़ती है। यहां के ज्यादातर किसान हिंदू हैं, जबकि मजदूर मुसलमान। दंगे की वजह से ज्यादातर मजदूर यहां से चले गए हैं या उन्हें हिंदू किसानों के साथ काम करने में डर लग रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 122 चीनी मिलें हैं, जिनमें से 11 मुजफ्फरनगर जिले में और इसके आसपास हैं। वहीं 4,000 छोटी यूनिट्स गुड़ मैन्युफैक्चरिंग में लगी हुई हैं। देश के कुल गुड़ प्रॉडक्शन में इन यूनिट्स की हिस्सेदारी 20 पर्सेंट है। मुजफ्फरनगर में जितना गन्ना होता है, उसमें से 35 पर्सेंट का इस्तेमाल गुड़ बनाने में किया जाता है।

यहां के एक अन्य गुड़ ट्रेडर ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि मजदूरों में मुसलमान और लोअर कास्ट हिंदू शामिल हैं। अभी उनका पता नहीं लग पा रहा है। इसलिए गन्ने की कटाई और गुड़ यूनिट्स के कामकाज पर असर पड़ा है। इंडस्ट्री एस्टिमेट के मुताबिक, मुजफ्फरनगर के करीब 40,000 लोग सुरक्षित जगहों पर चले गए हैं।

गुड़ प्रॉडक्शन अक्टूबर से मई के बीच होता है। देश में हर साल 90 लाख टन गुड़ का प्रॉडक्शन होता है। इसमें से यूपी की हिस्सेदारी 55 लाख टन है। उत्तर प्रदेश में कुल गुड़ प्रॉडक्शन में से 20 लाख टन मुजफ्फरनगर जिले में होता है। एक इंडस्ट्री एग्जिक्यूटिव ने बताया कि चीनी मिलों को मजदूरों की कमी नहीं है। वे दूसरे इलाकों से मजदूर ला रही हैं। किसानों से मिलों तक गन्ना भी आसानी से पहुंच रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने शुगर इंडस्ट्री के लिए राहत पैकेज का ऐलान किया है। इसलिए मिलें जल्द से जल्द पिछले साल का स्टॉक निकालना चाहती हैं। मिलें चाहती हैं कि चीनी का नया स्टॉक तुरंत मार्केट में आए। मुजफ्फरनगर में चीनी की कीमत 32-32.90 रुपये किलो चल रही है। वहीं मौजूदा समय में गुड़ का दाम 1044 रुपये प्रति 40 किलो चल रहा है।

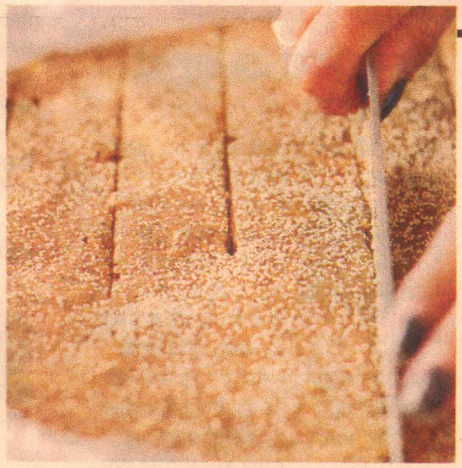

- **गन्ने की** कटाई के लिए काफी मजदूरों की जरूरत पड़ती है। यहां के ज्यादातर किसान हिंदू हैं, जबकि मजदूर मुसलमान। दंगे की वजह से ज्यादातर मजदूर यहां से चले गए हैं या उन्हें हिंदू किसानों के साथ काम करने में डर लग रहा है
- **पश्चिमी उत्तर** प्रदेश में 122 चीनी मिलें हैं, जिनमें से 11 मुजफ्फरनगर जिले में और इसके आसपास हैं। वहीं 4,000 छोटी यूनिट्स गुड़ मैन्युफैक्चरिंग में लगी हुई हैं

The Economic Times
6-1-14